में वृद्धि हुई है जिसका प्रमाण यह है कि वर्ष 1991-92 के दौरान यह 447.49 करोड़ रूपये था जो वर्ष 1994-95 में बढ़कर 633.34 करोड़ रूपये हो गया । हथकरघा क्षेत्र में क्रेडिट के स्तर को और बढ़ाने के लिए सरकार सभी संभव प्रयत्न कर रही है ।

Govt. Programme of Public Borrowing

43. DR. BAPU KALDATE:
SHRI KRISHAN LAL SHARMA:

Will the Minister of FINANCE be pleased be state:

(a) whether it is a fact that Government's programme of public borrowing has proved a failure for the third time when the public issue of Rs. 2,000 crore received only 52% subscription; and

(b) if so, the reasons for this failure?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBI-PROSAD PAL): (a) and (b) There was no failure of Government's public borrowing programme. The last three issue of Central Government' loans (with notified amoun* of Rs. 2,000 crore each) were net fully subscribed by the public resulting in development on Reserve Bank of India. The total amount subscribed by the public was Rs. 3066.85 crore and the aggregate amount devolving on Reserve Bank was Rs. 2933.15 crore. The share of subscription received from public in respect of the loans is 51 per cent and the share of subscription by Reserve Bank is 49 per cent. The response from public was lower mainly due to tight money market conditions and increase in commercial banks' non-food credit by about Rs. 48,000 crore during the current financial year up to Junuary 19, 1996, over that of last year.

विदेशी मुद्राओं की तुलना में रूपए के मुख्य में गिरावट

44. **श्री एस.एस. सुरजेवाला** :

श्री राघवजी :

श्री वी. नारायणसामी :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उनिवदेशी मुद्राओं के नाम क्या है जिनकी तुलना में रूपए के मूल्य में इस समय उसके 31 मार्च, 1995 के मूल्य की तुलना में, गिरावट आई है और यह गिरावट मुद्रा-वार कितनी-कितनी है,

(ख) रूपए के मूल्य में आई इस गिरावट के क्या कारण है और भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है, और

(ग) रूपए के मूल्य में गिरावट को रोकने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. देवी प्रसाद पाल) : (क) अमरीकी डालर, पौंड स्टर्लिंग, ड्यूश मार्क (डी एम) और फ्रांसीसी फ्रांक की 31 मार्च 1995 की दरों की तुलना में 23 फरवरी, 1996 की स्थिति के अनुसार रूपए में अवमूल्यन हुआ है । इन करेंसियों की तुलना में रूपए के अवमूल्यन का विवरण नीचे दिया गया है:-

तारीख	प्रति विदेशी मुद्रा की तुलना में रूपए की विनिमय दर			
	अमरीकी डालर	पौंड स्टर्लिंग	ड्यूश मार्क	फ्रांसीसी फ्रांक
31 मार्च, 95	31.495	50.565	22.300	6.412
23 फरवरी , 96	36.560	56.458	25.269	7.338
रूपढ का अवमूल्यन (-) (प्रतिशत)	-13.85	-10.44	-11.75	-12.62

जापानी येन की तुलना में, दो संदर्भित तारीखों के बीच रूपए का अधिमूल्यन हुआ ।

(ख) और(ग) रूपए की विनिमय दर बाजार द्वारा निर्धारित होती है । रूपए का सांकेतिक रूप में यह अवमूल्यन हाल के वर्षों में रूपए वास्तविक अर्थों में 1993-94 से हुए अधिमूल्यन के संबंध में बाजार सुधार है । विनिमय दर में हाल के परिवर्तन ने भारत की प्रतियोगितात्मकता को बहाल किया है और यह निर्यात संवृद्धि को सुदृढ़ बनाए रखने और आयात में वृद्धि को नियंत्रित करने की सुनिश्चिता में सहयोग करेगा । ये दोनों कारक व्यापार घाटे को प्रबंध योग्य स्तरों पर नियंत्रित रखने में सहायता करेंगे ।

रूपए की विनिमय में दर अब्रूवहारिक कारणों से हाल की अवधि में अत्यधिक स्थिरता देखने में आई है । इसका भा.रि.बैंक द्वारा उचित उपायों के जरिए सक्रिय रूप से सामना किया गया । भारतीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ और लचीली बनी हुई है, जिसे घेरलु और विदेशी क्षेत्रों के कार्य-निष्पादनों द्वारा आंका जा सकता है ।

हस्तशिल्प की वस्तुओं का निर्यात

45. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला** :

चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे कुल कितने पंजीकृत एकक हैं जो हस्तशिल्प की वस्तुओं का निर्यात करते हैं ,

(ख) हस्तशिल्प की वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की दृष्टि से सरकार द्वारा निर्यातकों को प्रदान की जा रही रियायतों और सुविधाओं का ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या सरकार हस्तशिल्प की वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए कोई और नई योजना प्रारंभ करने का विचार रखती है, और

(घ) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी.वेंकट स्वामी): (क) देश में 9060 पंजीकृत हस्तशिल्प निर्यात एकक है । इनमें से 6500 एकक हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत है तथा 2560 कालीन निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत है ।

(ख) सरकार द्वारा निर्यातकों को हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही रियायतों तथा सुविधाओं में ये शामिल है: शुल्क वापिसी, ब्याज की रियायती दरों पर पूर्व तथा पोतलदान ऋण, 32 माइक्रोन तथा इसके ऊपर की कालीन ग्रेड वूल पर 10 प्रतिशत यथामूल्य की दर पर रियायती आयात शुल्क हस्त शिल्प निर्यातकों द्वारा कुल विदेशी मुद्रा उपार्जन पर निर्यात गृह/व्यापार गृह/स्टार व्यापार गृह तथा सुपर स्टार व्यापार गृह को मान्यता देने के प्रयोजन से ट्रिपल वेटेज तथा हस्तशिल्प निर्यात संवधर्न परिषद तथा कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्य निर्यातकों की समय-समय पर आयोजित विभिन्न संवर्धनात्मक काय्र-कलापों में भागीदारी ।

(ग) और (घ) निर्यात संवर्धन योजनाओं में विदेशों में ब्रिकी-सह-अध्ययन दल प्रायोजित करना, अंतराष्ट्रीय मेले तथा प्रर्दशनियों में भाग लेना, क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करना, समुद्रपार प्रचार तथा कैटलाग का प्रकाशन, सेमिनार तथा कार्यशालाओं का संचालन तथा हाल ही में संस्थापित वार्षिक आधार पर आयोजित अंतराष्ट्रीय हस्तशिल्प तथा उपहार मेले तथा अखिल भारतीय कालीन व्यापार मेले को सुदृढ़ करना शामिल है ।

इसके अतिरिक्त देश में हस्तशिल्प के विकास तथा सवंर्धन के लिए सरकार विभिन्न योजनांए जैसे प्रशिक्षण, प्रदर्शनी तथा प्रचार, विपणन विकास सहायता, डिजायन विकास, सर्वेक्षण तथा अध्ययन आदि काय्रन्वित करती है ।

Emergence of small scale private suppliers of power due to power shortage

46. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that peaking shortage of power supply in thee country is 20% at present;

(b) whether it is also a fact that this shortage has led to the emergence of a network of small scale private suppliers of power supplying power at an enhanced rate to the manufacturers and other industrial establishments;

(c) whether Government contemplate to come out with similar arrangements; and